

b) हाइपोथैलेमस (Structure):

थैलेमस के नीचे

एक छोटी परत अर्थात ही प्रमुख संरचना है
जिसे हाइपोथैलेमस की संज्ञा दी जाती है।
हाइपोथैलेमस को मनीफेस्टो में काफी

महत्वपूर्ण इलाक़ा होता है क्योंकि इसका
 संबंध मूखी के संतर्ष तथा motivation
 से है। इसे *limbic system* को द्वारा गुण्य
 भाग कहा गया है। *Wengler* तथा *Jones*
 के अनुसार *limbic system* *visceral*
responses प्रतिक्रियाओं के लिए एक
 अत्यंत ही महत्वपूर्ण स्तर है। इसके क्षेत्र ही
 पीछे अंशिक रूप से रहती है। इस भाग में
 विशिष्ट प्रकार की केंद्रक होते हैं जिन्हें
 ही प्रमुख भागों में बांटा गया है :-

(1) *medial* तथा *Lateral*
 केंद्रक जो कि अंतर्कृत कार्यों को
 नियंत्रित और नियंत्रित करती है।

(2) *Anterior* तथा *medial* जो
 कि अंतर्कृत कार्यों को नियंत्रित तथा
 नियंत्रित करती है।

यदि अंगों से आने वाले संकेत
 वाले केंद्रक व्यापक के अन्दर अंतर्कृत है
 जो कि उसमें अंतर्कृत आवेग संबंधी
 क्रियाओं के प्रभाव दिखाई देगा जैसे - फुलपी
 का विस्तृत होना, हृदय गति तीव्र होना,
 रक्तचाप बढ़ना, उदर संकीर्ण तथा आँसू
 का कार्य शुरू आना आदि।

दूसरे केंद्रक की *Nucleus* अंतर्कृत है जो कि
 ही उप अंतर्कृत क्रियाओं के प्रभाव
 दिखाई देते हैं जैसे - हृदय गति धीरे धीरे
 हो जाना, *Blood pressure* का कम होना तथा
 अन्तः स्रावों को नियंत्रित होती है।

Functions :-

एडप्टीव्ह लीगास का लक्ष्य ही महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि वह विभिन्न व्यावहारिक प्रेरणात्मक तथा संवेगात्मक व प्रभुत्व भूमिका रखता है। इसका प्रभुत्व कार्य इस प्रकार है :-

1) एडप्टीव्ह लीगास - व्यापार के प्रभुत्व पौतिक कारिप्रैख जैसे - भुख पास, रॉग आदि को नियंत्रित करता है।

2) शरीर के ऊँदर एक सनात संतुलन बनाए रखने में प्रभुत्व भूमिका निभाता है। शरीर के ऊँदर साशांत्य संतुलन जैसे : शरीर का तापमान कट्टा गति, खत-पाप आदि को Homostasis की संका भी गई है।

3. एडप्टीव्ह लीगास उस Homostasis को कायम रखने की कोशिश करता है जगा किसी कारण Homostasis में बाधनी ही पाती है। वी एडप्टीव्ह लीगास फिर से शरीर को साशांत्य बनाए खतने के लिए प्रयास करती है।

3. एडप्टीव्ह लीगास द्वारा आंतरजातीय क्रियाओं का नियंत्रण होता है। पीयूष ग्रंथि आदिनाक में एडप्टीव्ह लीगास के कारण में मही स्यात होता है। एडप्टीव्ह लीगास पीयूष ग्रंथि के कारिप्रैख नियंत्रण था वी सीपी एनिका आवेग नही का। नियंत्रण प्रेषक विभिन्न साशांतिक तथ्यी प्राय करता है। पीयूष ग्रंथि एक एक सैली ग्रंथि है जिसका नियंत्रण अरथ अरथ सैली क्रियाओं का भी होता है। अतः एडप्टीव्ह लीगास है।

20
बोधूष संधि को निगमित करने शरीर के (एच) संतः एचवी संधि को नियंत्रित करता है।

(4)

हाइपोथैलीमस प्राणी के संवेगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। Molina (1959) Proctor (1960) और कुंते तथा बिजली या प्रयोग करने के बाद यह निष्कर्ष दिया कि यदि हाइपोथैलीमस को उत्तेजित किया जाता है पशु में क्रोध, गति, आक्रामकता आदि उत्पन्न हो जाते हैं। केवल तथा लार्ड ने भी आपका मत समर्थन करने हुए यही कहा है।

Mind Brain (encephalon): →

मस्तिष्क को अठारह केन्द्रों में बांटा गया है जिसे Neurocephalon के नाम से संबोधित किया जाता है।

Structure and function: →

मस्तिष्क

मस्तिष्क तथा पश्चिम मस्तिष्क के मध्य एक छेद में पुच्छ के समान स्थित होता है। इसकी दिशा में मस्तिष्क के बीच नीचे होती है। इस लिए यह पश्चिम मस्तिष्क तथा पश्चिम मस्तिष्क के बीच संबंध स्थापित करने का कार्य करता है। अन्दर से देखने पर उनकी आकृति बहुत कुछ spinal cord के समान होती है। मस्तिष्क में इसका आकार लगभग 3/4" होता है।

77 मध्य मस्तिष्क की पिछली सतह
 जाता है। इन भागों में विद्यमान है
 की धरातल तथा अपरी भाग को हत कक्ष
 जाता है। मध्य मस्तिष्क का निचला भाग
 धरातल तंत्रिका तंत्र के उच्च केन्द्रों और
 निम्न केन्द्रों की शिथिलीवाला भाग है। इसी
 भाग द्वारा हमारी कुछ प्रमुख क्रियाएँ जैसे
 स्निह शिथिल, पलकें गिना आदि भी नियंत्रित
 तथा संचालित होती हैं। इसके क्षेत्र से कान्वाही
 तंत्रिका या संवेदी मार्ग अपर की ओर जाते हैं
 तथा शक्तिवाही मार्ग नीचे की ओर जाते हैं।
 यह भाग कुछ शक्तिवाही क्रियाओं वाले
 केन्द्रों की भी श्रवता है। जिसके द्वारा पाहरी
 क्रियाएँ संचालित होती हैं।

इसके शक्तिरहित मध्य
 मस्तिष्क का अपरी भाग संवेदी कार्यों को
 नियंत्रित करता है। यह भाग ली पीडि संवेदी
 केन्द्रों में बँटा हुआ है। इनमें ली ली पीडि की
 Superior section तथा दूसरी की Inferior
 section कहा जाता है। जिन छोटे पत्तियों का
 प्रमस्तिष्क अधिक विकसित गरी होता है उनके
 अन्दर वह भाग प्रविष्ट व हवनि को
 संवेदनाओं का नियंत्रण करता है।

मध्य मस्तिष्क का उदरीय
 भाग cerebral peduncles तथा बाड़ी भागों
 ली कहा होता है। इसी भाग मस्तिष्क की
 निम्न तंत्रिका केन्द्रों जैसे spinal cord
 medulla, शक्तिमस्तिष्क तथा सेतु से गिनाए
 हैं। इन दोनों प्रथमीय तथा उदरीय रज्जुनाओं
 के मध्य में केन्द्रक के गुच्छे तथा तंतु मार्ग

पाए जाते हैं जिन्हें सामूहिक तप से
 pegementation कहते हैं। शक्ति शक्ति शक्ति
 के तब भी पाए जाते हैं। मध्य मस्तिष्क से
 कई संवेदी भाग spinal cord एवं मज्जा
 से आकर cerebral cortex की जाते हैं।
 तापत यह लिखित रूप से कहा जा सकता
 है कि मध्य मस्तिष्क शक्ति मस्तिष्क एवं
 पश्य मस्तिष्क के मध्य एक पुल के समान
 कार्य करता है। मध्य मस्तिष्क शक्ति की
 आपेक्षा कोर्टेक्स में अधिक महत्वपूर्ण
 भूमिका निभा करता है।